Assignments for TEE December 2023 and for TEE June 2024

(बीए दर्शनशास्त्र द्वितीय वर्ष)

BPY-005 भारतीय दर्शन-II

ध्यातव्य

1. **सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**
3. **प्रश्न क्रमांक 1 तथा 2 में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए।**
4. **यदि किसी प्रश्न में एक से अधिक भाग हैं, तो सभी भागों के उत्तर दीजिए।**

1. विवेकानन्द के व्यावहारिक वेदान्त की चर्चा और मूल्यांकन कीजिए। 20

अथवा

भक्ति, आश्रम और सुधार आन्दोलनों के चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 20

2. चर्चा कीजिए, 10+10= 20

अ) गांधी का अहिंसा का विचार 10

आ) रबीन्द्रनाथ टैगोर का मानव का धर्म का विचार 10

अथवा

"हम, भारत के लोग" वाक्यांश/कथनांश का दार्शनिक विश्लेषण कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में लिखिए। 2*10= 20

अ) रामानुज की ईश्वर सम्बन्धी अवधारणा पर निबन्ध लिखिए। 10

आ) सत्कार्यवाद और असत्कार्यवाद के मध्य तुलना कीजिए। 10

इ) सांख्य दर्शन पुरुष की सत्ता कैसे सिद्ध करता है? 10

ई) गांधी दर्शन में सत्याग्रह और अहिंसा के मध्य क्या सम्बन्ध है? चर्चा कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में लिखिए। 4*5= 20

अ) योग दर्शन में 'समाधि' की अवधारणा की चर्चा कीजिए। 5

आ) शंकर और सांख्य दर्शन के कारण सिद्धान्त के मध्य तुलना कीजिए। 5

इ) जवाहर लाल नेहरू का लोकतांत्रिक पंथनिरपेक्षतावाद/धर्मनिरपेक्षतावाद विचार का मूल्यांकन कीजिए 5

ई) "जाति श्रमिकों का विभाजन है, न कि श्रम का।" चर्चा कीजिए। 5

उ) इकबाल के ईश्वर के विचार का मूल्यांकन कीजिए। 5

ऊ) "पंथनिरपेक्षवाद स्वतन्त्रता और सामाजिक व्यवस्था का प्रत्याभूतिकर्त्ता/जिम्मेवार (गारंटर) है" मूल्यांकन कीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर लगभग **100-100** शब्दों में लघु टिप्पणी लिखिए। 5*4= 20

अ) पूर्ण/समत्व योग 4

आ) तारीक़ात 4

इ) काश्मीर-शैव दर्शन 4

ई) प्राच्य पुनर्जागरण (ऑरियन्टल रेनेसां) 4

उ) प्रमाण 4

ऊ) ज्ञानलक्षण 4

ए) व्याप्ति 4

ऐ) योग दर्शन में चित्त 4

BPY-006 तत्त्वमीमांसा

ध्यातव्य

1. **सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**
3. **प्रश्न क्रमांक 1 तथा 2 में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए।**
4. **यदि किसी प्रश्न के एक से अधिक भाग हैं, तो सभी भागों के उत्तर दीजिए।**

1. निम्नलिखित पर लघु टिप्पणी लिखिए, 10+10= 20

अ) अमूर्तता 10

आ) संकल्प-स्वातन्त्र्य (फ्री विल) 10

अथवा

निम्नलिखित पर लघु टिप्पणी लिखिए, 10+10= 20

अ) तत्त्वमीमांसा 10

आ) असत्यता की समस्या 10

2. द्रव्य क्या है? द्रव्य की प्रकृति पर निबन्ध लिखिए। 20

अथवा

के सी भट्टाचार्य के तत्त्वमीमांसा सम्बन्धी विचार की चर्चा और मूल्यांकन कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर **200-200** शब्दों में लिखिए। 2*10= 20

अ) "कोजिटो इर्गो सम।" व्याख्या कीजिए। 10

आ) निश्चित्ता के ज्ञान सम्बन्धी द्वन्द्वात्मक पद्धति एवं पश्चवर्त्ती (रेटोर्टेटिव) पद्धति की तुलना कीजिए। 10

इ) अरस्तू की तत्त्वमीमांसा पर टिप्पणी लिखिए। 10

ई) हाईडेगर की तत्त्वमीमांसा के विचार पर टिप्पणी लिखिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में लिखिए। 4*5= 20

अ) सामर्थ्य की सम्भावना पर लघु निबन्ध लिखिए। 5

आ) "बीइंग (सत्) साररूप (एसेन्स)।" व्याख्या कीजिए। 5

इ) "भेद तादात्म्य का अभाव है।" व्याख्या कीजिए। 5

ई) "सत्य पथविहीन भूमि है।" विश्लेषण कीजिए। 5

उ) हेगेल की द्वन्द्वात्मक पद्धति पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 5

ऊ) क्या आप सोचते हैं कि आकस्मिकता अपना स्वयं का 'होना' रखती है? अपने उत्तर को प्रमाणित कीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर लगभग **100-100** शब्दों में लघु टिप्पणी लिखिए। 5*4= 20

अ) तत्त्व (एन्टिटी) ऐतिहासिक कालिक (हिस्टोरिकल-टेम्पोरल) के रूप में 4

आ) आगमन 4

इ) काण्ट का सौन्दर्य-सम्बन्धी विचार 4

ई) साक्षीभाव (*ईपोखे*) 4

उ) *पशु* की अवधारणा 4

ऊ) *बीइंग एज एस्से* 4

ए) *सुइ जेनेसिस* 4

ऐ) *दासाइन* 4

BPY-007 नीतिशास्त्र

ध्यातव्य

1. **सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**
3. **प्रश्न क्रमांक 1 तथा 2 में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए।**

1. गांधी के नैतिक दर्शन की चर्चा और मूल्यांकन कीजिए। 20

अथवा

मानवीय कृत्य की स्कॉलस्टिक समझ की चर्चा और मूल्यांकन कीजिए। 20

2. मानव कृत्य की प्रकृति के सम्बन्ध में व्यक्तिनिष्ठ और सापेक्षतावादी दृष्टियों की चर्चा और मूल्यांकन कीजिए। 20

अथवा

लैंगिक हिंसा क्या है? लैंगिक हिंसा में लैंगिक भेदभाव की भूमिका पर लघु निबन्ध लिखिए। लैंगिक हिंसा से मुक्ति के कुछ उपाय बताइए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर **200-200** शब्दों में लिखिए। 2*10= 20
   - अ) क्या आप सोचते हैं कि कर्ता का अभिप्राय किसी कृत्य को नैतिक या अनैतिक बनाता है? चर्चा कीजिए। 10
   - आ) "आत्महत्या नैतिक रूप से गलत है" इस सिद्धान्त पक्ष को सिद्ध करने के लिए भिन्न-भिन्न युक्तियां दीजिए। 10
   - इ) नीतिशास्त्र के अध्ययन के महत्व पर टिप्पणी लिखिए। 10
   - ई) नैतिकता में तर्कबुद्धि एवं भावना (इमोशन) के भूमिका पर निबन्ध लिखिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर **150-150** शब्दों में लिखिए। 4*5= 20
   - अ) नैतिक दुविधा क्या है? 5
   - आ) संकल्प-स्वातन्त्र्य की समस्या पर टिप्पणी लिखिए। 5
   - इ) जैन नैतिक दर्शन के नीतिशास्त्रीय सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए। 5
   - ई) नैतिकता में मानवीय गरिमा की भूमिका पर निबन्ध लिखिए। 5

उ) "आतंकवाद सामाजिक नीतिशास्त्र के लिए खतरा है" इस प्रतिज्ञप्ति का विश्लेषण कीजिए। 5

ए) अरस्तू के सद्‌गुण सम्बन्धी विचार का मूल्यांकन कीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर लगभग **100-100** शब्दों में लघु टिप्पणी लिखिए। 5*4= 20

अ) संकल्प दौर्बल्य (*Akrasia*) 4

आ) भ्रांत विवेक (पर्प्लेक्स्ड कॉन्साइन्स) 4

इ) आदत 4

ई) आधारभूत सद्‌गुण (कार्डिनल वर्च्यू) 4

उ) युस्ट्रेस (*Eustress*) 4

ऊ) निष्कामकर्म 4

ए) अमर्त्य सेन का सामार्थ्य-दृष्टिकोण 4

ऐ) अनुप्रयुक्त नीतिशास्त्र 4

BPY-008 आधुनिक पाश्चात्य दर्शन

ध्यातव्य

1. **सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**
3. **प्रश्न क्रमांक 1 तथा 2 में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए।**

1. आधुनिक पाश्चात्य दर्शन की कुछ मुख्य विशेषताओं की चर्चा कीजिए। 20

अथवा

काण्ट के दिक् -काल के विचार की व्याख्या और विश्लेषण कीजिए। 20

2. हेगेल के द्वन्द्वात्मक (डायलेक्टिक) के विचार की व्याख्या एवं विश्लेषण कीजिए। 20

अथवा

"कोजिटो, इर्गो सम।" व्याख्या कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में लिखिए। 2*10= 20
   अ) संकल्प-स्वातन्त्र्य का विचार क्या है? ह्यूम संकल्प-स्वातन्त्र्य के विचार की आलोचना किस तरह करते हैं? 10
   आ) "चिदणु (मोनड) गवाक्षहीन (खिड़की/झरोखा के बिना) हैं।" व्याख्या कीजिए। 10
   इ) सहज/जन्मजात प्रत्यय क्या है? लॉक सहज प्रत्यय की अवधारणा की आलोचना कैसे करता है?10
   ई) ऑगस्ट कॉम्टे का प्रत्यक्षवादी दर्शन (पॉजिटिव फिलोसॉफी) के विचार का मूल्यांकन कीजिए।10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में लिखिए। 4*5= 20
   अ) स्पिनोज़ा के ईश्वर के विचार पर टिप्पणी लिखिए। 5
   आ) लॉक के सहज/जन्मजात प्रत्ययों के खण्डन का परीक्षण कीजिए। 5
   इ) "विचार सामग्री के बिना रिक्त हैं और सहजज्ञान के बिना अवधारणाएं दृष्टिहीन" काण्ट के इस विचार की व्याख्या कीजिए। 5

ई) देकार्ते का मनस-शरीर के द्वैत सम्बन्धी विचार पर निबन्ध लिखिए। 5

उ) पूर्व-स्थापित सामंजस्य (प्रि-इस्टाब्लिशड हार्मनी) क्या है? 5

ऊ) 'मनस शरीर के प्रत्यय के रूप में' से स्पिनोजा का क्या आशय है? 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर लगभग **100-100** शब्दों में लिखिए। 5*4= 20

अ) निरपेक्ष आदेश 4

आ) कारण-समानान्तरवाद (Causal Parallelism) 4

इ) *अमूर्त प्रत्यय* 4

ई) देकार्ते का द्रव्य-विचार 4

उ) बेकन की वैज्ञानिक पद्धति 4

ऊ) तार्किक भाववाद 4

ए) ऐतिहासिक भौतिकवाद 4

ऐ) स्ट्रासन का तत्त्वमीमांसा सम्बन्धी विचार 4